Internal Quality Assurance Cell (IQAC) की बैठक दिनांक 18.11.2024 का कार्यवृत्त

उपस्थिति –

1. प्रो० कविता शाह, मा० कुलपति, सि०वि०वि०, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।	अध्यक्ष
2. प्रो० एच० पी० माथुर, पूर्व संकायाध्यक्ष, प्रबंधन संकाय, बी.एच.यू. वाराणसी।	बाह्य विशेषज्ञ
3. श्री आर० एन० सिंह, अध्यक्ष, आद्यौगिक संघ, उद्योग मंडल, गोरखपुर।	बाह्य विशेषज्ञ
4. प्रो० सौरभ, संकायाध्यक्ष–वाणिज्य संकाय, एवं निदेशक– I.Q.A.C., सि०वि०वि०, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।	सदस्य सचिव
5. प्रो० नीता यादव, संकायाध्यक्ष, कला संकाय एवं अधिष्ठाता–छात्र कल्याण, सि०वि०वि०, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।	सदस्य
6. प्रो० सुनील श्रीवास्तव, निदेशक–रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल एवं प्रभारी संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, सि०वि०वि०, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।	सदस्य
7. डॉ० सुनीता त्रिपाठी, अध्यक्ष–पुरातन छात्र परिषद, सि०वि०वि०, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।	सदस्य
8. डॉ० सच्चिदानंद चौबे, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।	सदस्य
9. डॉ० कौशलेन्द्र चतुर्वेदी, विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान विभाग, सि०वि०वि०, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।	सदस्य
10. डॉ० जितेन्द्र कुमार सिंह, सहायक निदेशक– I.Q.A.C., सि०वि०वि०, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।	सदस्य
11. डॉ० लक्ष्मण सिंह, विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग, सि०वि०वि०, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।	सदस्य
12. डॉ० आशुतोष श्रीवास्तव, प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष, सि०वि०वि०, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।	सदस्य
13. डॉ० संतोष सिंह, सहायक निदेशक– I.Q.A.C., सि०वि०वि०, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।	सदस्य
14. श्री अजय कुमार सोनकर, वित्त अधिकारी, सि०वि०वि०, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।	सदस्य
15. डॉ० अमरेन्द्र कुमार सिंह, कुलसचिव, सि०वि०वि०, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।	सदस्य

सर्वप्रथम माननीय कुलपति महोदया ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं मा० कुलपति महोदया की अनुमति से प्रो० सौरभ, निदेशक– I.Q.A.C. ने बैठक में उपस्थित बाह्य विशेषज्ञ एवं सभी सदस्यों का परिचय कराया। तत्पश्चात् मा० कुलपति महोदया की अनुमति से निदेशक– I.Q.A.C. ने बैठक के समक्ष बिन्दुवार एजेण्डा प्रस्तुत किया जो कि निम्नवत् है–

बिन्दु सं०–1 NAAC द्वारा प्रत्यायन हेतु सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की तैयारी की समीक्षा।

निदेशक, I.Q.A.C. के द्वारा विश्वविद्यालय के प्रत्यायन (Accreditation) से संबंधित अद्यतन आख्या प्रस्तुत की गयी। इस संदर्भ में NAAC-Binary System हेतु विश्वविद्यालय की तैयारी पर विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए, जो कि निम्नवत् हैं–

1.1 NAAC की तैयारी हेतु छात्र–छात्राओं के रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है।

1.2 विश्वविद्यालय के छात्र–छात्रों के चहुमुखी विकास एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में Centre for Visual & Performing Arts और Department of Environmental Science की स्थापना की जानी चाहिए।

1.3 रिसर्च और पब्लिकेशन को बढ़ावा देने हेतु शिक्षकों और शोधार्थियों को प्रोत्साहन प्रदान किया जाये। इसके लिए I.Q.A.C. वित्तीय पुरस्कार की व्यवस्था की संस्तुति करती है।

1.4 NEP 2020 के अनुसार पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम संरचना को संशोधित करने एवं उसके लिए प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता है।

1.5 विश्वविद्यालय में AAA (Academic & Administrative Audit) की आवश्यकता है। अतः विश्वविद्यालय अनुभवी बाह्य विशेषज्ञों की समिति द्वारा AAA कराना सुनिश्चित करे जिससे नैक में उच्च स्कोर अर्जित किया जा सके।

1.6 विश्वविद्यालय में Online/Blended learning पाठ्यक्रम का संचालन प्रारम्भ किया जायेगा।

1.7 विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को कंप्यूटर के मूल ज्ञान (Basic Knowledge), साइबर सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) से संबंधित कोर्स को पाठ्यक्रम में शामिल करने पर जोर दिया जाये तथा छात्रों के बीच इससे सम्बन्धित कार्यशालाएं आयोजित की जाये।

बिन्दु सं0–2 विश्वविद्यालय में गुणवत्ता के सुधार हेतु I.Q.A.C. द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा।

निदेशक– I.Q.A.C. ने सूचित किया कि विगत एक वर्ष में I.Q.A.C. द्वारा गुणवत्ता सुधार के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें नैक के प्रारूप के अनुसार पाठ्यक्रम के संयोजन, विश्वविद्यालय के अकादमिक विभागों में प्रशासनिक फाइलों का प्रबंधन, विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों में नीतियों का निर्धारण, चार कार्यशालाओं का आयोजन एवं Q S I-GAUGE Rating में प्रतिभाग करना शामिल है। सदस्यों ने I.Q.A.C. के कार्यों को प्रोत्साहन देते हुए निम्न सुझाव दियेः–

2.1 समस्त पाठ्यक्रमों को नये बाइनरी व्यवस्था के अंतर्गत प्रारूप अनुसार व्यवस्थित करने हेतु पाठ्यक्रम समिति के संयोजकों एवं विभागाध्यक्षों/प्रभारी तथा संबंधित शिक्षकों की एक कार्यशाला का आयोजन किया जाये।

2.2 कर्मचारियों की कार्यक्षमता में बढ़ोत्तरी करने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन किया जाये।

2.3 विश्वविद्यालय में रोजगार के अवसर पर एक संगोष्ठी (Seminar) का आयोजन करना चाहिए।

2.4 सिद्धार्थनगर परिक्षेत्र में उद्योगों की स्थापना हेतु छात्र–छात्राओं को उत्साहित करने के लिए नियमित अंतरालों पर संगोष्ठी एवं प्रेरणादायक व्याख्यानों का आयोजन किया जाना चाहिए।

बिन्दु सं0–3 सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में अकादमिक और औद्योगिक संबंधों में सुधार हेतु विचार।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में अकादमिक और औद्योगिक संबंधों में सुधार हेतु सुझाव निम्नवत् हैः–

3.1 उद्योग–अकादमिक संबंध को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं को औद्योगिक इकाईयों से औद्योगिक प्रशिक्षण कराने के लिए व्यवस्था करनी होगी। इसके लिए संभावित औद्योगिक इकाईयों की एक सूची तैयार की जाये।

3.2 छात्र–छात्राओं के लिए नियमित अंतरालों पर इन्डस्ट्रियल विजिट को बढ़ावा दिया जाये। इस कार्य हेतु I.Q.A.C. के बाह्य विशेषज्ञों ने उचित सहयोग देने का आश्वासन प्रदान किया।

3.3 गोरखपुर औद्योगिक इकाई से उद्योगों को सिद्धार्थनगर में स्थापित करने के लिए औद्योगिक बैठक करना सुनिश्चित किया जाये।

3.4 सिद्धार्थनगर में क्षेत्रीय लोगों को स्थानीय उत्पादों जैसे कि काला नमक चावल इत्यादि एवं गोरखपुर बस्ती परिक्षेत्र में स्थापित हो रहे बड़ी इकाईयों के उत्पादन में सहयोग के दृष्टिगत, संबंधित लघु एवं मध्यम इकाईयों को स्थापित करने हेतु विश्वविद्यालय सहयोग कर सकता है। विश्वविद्यालय इस कार्य हेतु जिला–प्रशासन से मिलकर यहां के विद्यार्थियों को उद्योगों से संबंधित जानकारी उपलब्ध करा सकता है तथा इस संदर्भ में प्रचार, प्रसार एवं प्रशिक्षण प्रदान कर सकता है।

बिन्दु सं0–4 अन्य एजेंडा।

4.1 सिद्धार्थ विश्वविद्यालय शिक्षकों एवं छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान में बढ़ोत्तरी करने हेतु कंसल्टेंसी को बढ़ावा देगा। इस कार्य हेतु संबंधित उद्योग अथवा प्रशासन से संपर्क कर उचित प्रस्ताव भेजे जायें।

4.2 सिद्धार्थ विश्वविद्यालय अकादमिक इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे कि प्रेक्षागृह, छात्रावास, स्पोर्ट सेंटर इत्यादि एवं सामुदायिक गतिविधियों हेतु CSR निधि के लिए प्रयास कर सकता है तथा इस प्रकार उसे अपनी CSR निधि को बढ़ा सकता है।

4.3 विश्वविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी के अंतर्गत विश्वविद्यालय छात्र–छात्राओं एवं आस–पास के लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में अवगत कराने के लिए अपने प्रयासों में और नियोजन एवं सामंजस्य ला सकता है।

4.4 विश्वविद्यालय में कार्यक्रम कैलेंडर की व्यवस्था की जानी चाहिए, जिससे कक्षाओं और विभिन्न कार्यक्रमों के बीच सामंजस्य बनाया जा सके।

4.5 विश्वविद्यालय को अपनी नीतियों के अंतर्गत गतिविधियों को सुचारू एवं नियमित रूप से संचालित करना सुनिश्चित करना चाहिए।

सह निदेशक–IQAC डॉ0 जितेन्द्र कुमार सिंह ने उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अध्यक्ष महोदया की अनुमति से बैठक समाप्त करने की घोषणा की।

02/12/2024
(प्रो0 सौरभ)
निदेशक–IQAC

02/12/2024
(प्रो0 कविता शाह)
कुलपति

प्रतिलिपिः

1. प्रो0 एच0 पी0 माथुर, संकायाध्यक्ष, प्रबंधन संकाय, बी.एच.यू. वाराणसी।
2. श्री आर0 एन0 सिंह, अध्यक्ष, आद्यौगिक संघ, उद्योग मंडल, गोरखपुर।
3. समस्त संकायाध्यक्ष, सि0वि0वि0, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
4. प्रो0 सुनील श्रीवास्तव, निदेशक–रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल, सि0वि0वि0, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
5. डॉ0 सुनीता त्रिपाठी, अध्यक्ष–पुरातन छात्र परिषद, सि0वि0वि0, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
6. डॉ0 सच्चिदानंद चौबे, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
7. डॉ0 कौशलेन्द्र चतुर्वेदी, विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान विभाग, सि0वि0वि0, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
8. सहायक निदेशक– IQAC, सि0वि0वि0, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
9. डॉ0 लक्ष्मण सिंह, विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग, सि0वि0वि0, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
10. डॉ0 आशुतोष श्रीवास्तव, प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष, सि0वि0वि0, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
11. निजी सचिव, कुलपति को मा0 कुलपति जी के अवलोकनार्थ।
12. वैयक्ति सहायक, वित्त अधिकारी, सि0वि0वि0, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
13. वैयक्ति सहायक, कुलसचिव, सि0वि0वि0, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
14. संबंधित पत्रावली।